कपास की खेती के लिए 29 जुलाई से 04, अगस्त 2019 की छटवी साप्ताहिक सलाह

	वास्तविक वर्षा (**मिली मी.**) भा.मौ.वि. विभाग					**अनुमानित वर्षा की स्थिति** (**मिली मी°**) भा.मौ.वि. विभाग						सलाह
	जुलाई					**जुलाई - अगस्त**						
दिनांक	**25**	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**	**31**	**1**	**2**	**3**	**4**	
हरियाणा												
हिसार	1.2	0.6	0.5	0	1	0	8	37	41	51	15	सिरसा में, फसल 85-95 दिन पुरानी वनस्पति और प्रजनन अवस्था में है। फसल अच्छी स्थिति में है। वर्षा के कारण, खरपतवार का प्रकोप देखा गया और उसका प्रबंधन किया जा रहा है। सफ़ेद मक्खी की आबादी सीमा 6-10/पत्ती, थ्रिप्स 6-30 और तेला (जेसिड) 1-3/3 पत्तियों के बीच थी। हिसार में, कपास की फसल 85 से 105 दिन पुरानी है, जो पुष्पन अवस्था से गूलर विकास अवस्था में प्रवेश कर रही है| निराई-गुड़ाई और खाद डालने का कार्य पूरा किया जा चुका है| अधिकांश क्षेत्र खरपतवारों से मुक्त थे। वयस्क सफ़ेद मक्खियों की औसत आबादी 4 से 364 प्रति पत्ती प्राय: सभी खेतों में देखी गई है जबकी थ्रिप्स की आबादी 4 से 65 प्रति पत्ती और नवजात तेला (जेसिड) 0 से 3 प्रति पत्ती है| कुछ कपास के खेतों में कपास पत्ती मोड़क विषाणु रोग देखा गया है| कुछ पत्तियों के निचले भाग में सूटी कवक (सूटी मोल्ड) अधिक देखा गया है| जड़ गलन रोग का संक्रमण देसी कपास के खेतों में बीटी कपास के तुलना में अधिक देखा गया है| कुछ किसानों के खेतों में फ्यूजेरियम विल्ट, बैक्टीरियल ब्लाइट और मायरोटेहिल लीफ स्पॉट रोग देखा गया है| कुल मिलाकर फसल की वृद्धि अच्छी है। सलाह: सभी तीन रसचूषक कीटों का विस्तार बढ़ रहा है । किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसल की नियमित निगरानी करते रहें, अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन) जारी रखें तथा सफ़ेद मक्खी के शुरुआती संक्रमण का पता लगाने के लिए पीले चिपचिपे ट्रैप का उपयोग करें| यदि किसी रसचूषक कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) को पार कर जाती है तो नीम आधारित कीटनाशक @ 1.0 मिली लीटर 200 लीटर पानी के साथ छिड़काव करें । यदि सफ़ेद मक्खी और लीफ होप्पर का मिश्रित संक्रमण दिखाई देता है तो डायफ़ेन्थियुरॉन @ 200 ग्राम प्रति एकड़ तथा फ्लोनिकेमिड @ 80 ग्राम प्रति एकड़ अथवा डिनोटफ़्यूरान @ 60ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें। जड़ गलन और फ्यूजेरियम विल्ट के प्रबंधन के लिए कार्बेन्डाजिम 50% डब्ल्यूपी @ 2 ग्राम/लीटर पानी के साथ पौधों की जड़ों में और स्वस्थ पौधों की आस-पास डालें। अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट के प्रबंधन के लिए पायरेक्लोस्ट्रोबिन 20% डब्ल्यूजी 2 ग्राम अथवा मेटिराम 55%+ पायरेक्लोस्ट्रोबिन 5% डब्ल्यूजी 20 ग्राम प्रति 10 लीटर पाने के साथ छिड़काव करें| इसके साथ बैक्टीरियल लीफ ब्लाइट के प्रबंधन के लिए स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 1 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 25 ग्राम / 10 ली पानी के साथ छिड़काव करें।
सिरसा						0	0	31	32	21	11	
रोहतक	0	0	0	10.8	0.4	0	0	31	32	21	19	
राजस्थान												
अजमेर	0	0.8	0	64.2	54.6	20	33	38	50	45	38	बांसवाड़ा में फसल, 28 दिनों पुरानी है जो की वनस्पतिक अवस्था में है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान धूप का मौसम था, कोई वर्षा नहीं हुई। खरपतवार प्रबंधन के लिए अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल
जोधपुर	0	0	0	0.2	39.4	6	17	63	13	38	5	
नागौर						11	17	126	42	27	77	

पाली	6		0	0	35	26	54	45	34	64	4	ऑपरेशन) पूरी हो चुकी है| खेतों को खरपतवार मुक्त किया जा चुका है| तेला (जेसिड) का संक्रमण आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से नीचे है| फसल में कोई रोग नहीं देखा गया है| सलाह: आने वाले अगले सप्ताह के दौरान बादल छाए रहेंगे और तेज हवा के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है| किसानों को सलाह दी जाती है कि मौसम को देखते हुए खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था कर लें|
श्री गंगानगर	0	0	0	0	0	17	0	22	27	13	26	
मध्य प्रदेश												
खरगौन	8	15.8	3.6	12.6	25.2	49	30	28	14	29	19	फसल 32-82 दिनों की है जो वनस्पतिक अवस्था से पुष्पन अवस्था में प्रवेश कर रहीं है। बारिश का मौसम था। अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन), कीटनाशक का छिड़काव और उर्वरक डालने का कार्य पूरा हो चुका है| तेला (जेसिड) और सफ़ेद मक्खी की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से कम देखी गई है	फसल में कोई रोग नहीं देखा गया है| सलाह: किसानों को सलाह दी जाती है की वे नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें और यदि कीटों की संख्या आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से अधिक हो तो प्रबंधन के लिए कीटनाशक का छिड़काव किया जा सकता है। यदि रसचूषक कीटों का संक्रमण आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) से अधिक हो तो नीम आधारित कीटनाशक @ 1.0 लीटर / एकड़ 200 लिटर पानी के साथ छिड़काव करें	सफ़ेद मक्खी तथा लीफ होप्पर का संयुक्त संक्रमण देखे तो डायफ़ेन्थियुरॉन @ 200 ग्राम प्रति एकड़ तथा फ्लोनिकेमिड @ 80 ग्राम प्रति एकड़ अथवा डिनोटफ़्यूरान @ 60ग्राम/एकड़ का छिड़काव करें। खरपतवार प्रबंधन और अंत:सस्य क्रियाएँ (इंटर कल्चरल ऑपरेशन) प्रति सप्ताह करें| उर्वरक 150: 75: 40 किलोग्राम / हेक्टेयर की दर से खेतों में डालें और 25% नाइट्रोजन उर्वरक को 30 दिनों के भीतर; 25% नाइट्रोजन(N) + 50%फास्फोरस + पोटाश (P+K) 60 दिनों में तथा 25% नाइट्रोजन(N) 90 दिनों में अनुप्रयोग करें।
धार	0	0	10	1.2	8	28	25	13	6	28	18	
खंडवा	0	0	0	0	0	49	30	39	7	8	25	

वर्षा (मिमी)	<5	5-20	21-50	51-80	>80

0.0 मिमी वर्षा (कोई वर्षा नहीं)।

रिक्त स्थान पर जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्रोत : http://imdagrimet.gov.in

(नोट: 29 जुलाई, 2019 को http://imdagrimet.gov.in से जानकारी ली गई)